



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 486]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 29, 1984/पौष 8, 1906

No. 486]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29, 1984/PAUSA 8, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है कि यह अस्तग संकलन के क्षय में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

श्रद्धिसूचना

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1984

सं. 229/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का नि. 834(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद

शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा  
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त  
मंत्रालय (राजस्व विभाग) की श्रद्धिसूचना सं. 36/84-  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1984 में निम्नलिखित  
श्रोत्र संलग्न करती है, श्रिंखला :—

उक्त श्रद्धिसूचना से उपादान सारणी में, क्रम सं 11  
श्रोत्र उसमें सबधित प्रविधि का लोप किया जाएगा।

[फा. म 149/1/82-सीएस-4]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1984

No. 229/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 834(E).—In exercise of the powers conferred  
by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise

Rules, 1944, the Central Government hereby makes  
the following further amendment in the notification of  
the Government of India in the Ministry of Finance  
(Department of Revenue) No. 36/84-Central Excises,  
dated the 1st March, 1984, namely :—

In the Table annexed to the said notification, Sl.  
No. 11 and the entry relating thereto shall be omitted.

[F. No. 149/1/82-CX.4]

श्रद्धिसूचना

सं. 230/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का नि. 835 (अ).—केन्द्रीय सरकार का समाधान  
हो गया है कि उस प्रणाली के अनुगार जो केन्द्रीय उत्पाद  
शुल्क और नमक श्रद्धिनियम, 1944 (1944 का 1)  
की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के (जिसके अत्यंत  
उनका अनुब्रहण भी है), उद्ग्रहण की बावत साधारणत  
विद्यमान थी, उक्त श्रद्धिनियम की पहली अनुसूची की  
मध्य 26वीं की उपमध्य (1) के अत्यंत श्रान्त वाली जस्ते की  
सिलियों पर उत्पाद शुल्क वहा उद्ग्रहीत नहीं किया जा  
रहा जहा ऐसी जस्ते की सिलियों का उपयोग एक  
प्रांगस्त, 1976 से प्रारम्भ होने वाली और 12 मार्च, 1982

को समाप्त होने वाली कालावंध के दौरान उत्पाद कारखाने में जस्ते के चूर्ण के विनिर्माण में किया गया था और इस प्रकार विनिर्मित जस्ते के चूर्ण का उपयोग अन्तगढ़े जस्ते के विनिर्माण में किया गया था;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त अधिनियम के अधीन संदेय संपूर्ण उत्पाद शुल्क और निम्नलिखित उत्पाद शुल्क, अर्थात् :—

- (क) वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 36 की उपधारा (1) के अधीन संदेय सहायक उत्पाद शुल्क,
- (ख) विशेष उत्पादन शुल्क को,
  - (i) वित्त अधिनियम, 1978 (1978 का 19) की धारा 37 की उपधारा (1)
  - (ii) वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 32 की उपधारा (1),
  - (iii) वित्त अधिनियम 1980 (1980 का 13) की धारा 5 की उपधारा (1),
  - (iv) वित्त अधिनियम, 1981 (1981 का 16) की धारा 49 की उपधारा (1), और
  - (v) वित्त अधिनियम, 1982 (1982 का 14) की धारा 50 की उपधारा (1),

के अधीन ऐसी जस्ते की मिलिन्यों पर संदेय है किन्तु जो उक्त प्रणाली के कारण मध्यन नहीं किया जा रहा है, ऐसी जस्ते की सिलिन्यों की आवत, जिन पर पूर्वोक्त अवधि के दौरान उक्त उत्पादन शुल्क, सहायक उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क उद्ग्रहीत नहीं किए गए थे, उक्त प्रणाली के अनुसार संधृत किया जाना अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 140/1/83-मी ए.स्म-4]

#### NOTIFICATION

No. 230/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 835(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy therof), under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on zinc ingots, falling under sub-item (1) of Item 26B of the First Schedule to the said Act, was not being levied where such zinc ingots were used in the factory of production in the manufacture of zinc dust, and the zinc dust so manufactured were used in the manufacture of zinc unwrought, during the period commencing on the 1st August, 1976 and ending with the 12th March, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of the

excise payable under the said Act and the following duties of excise, namely :—

- (a) the auxiliary duty of excise payable under sub-section (1) of section 36 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976);
- (b) the special duties of excise payable under—
  - (i) sub-section (1) of section 37 of the Finance Act, 1978 (19 of 1978),
  - (ii) sub-section (1) of section 32 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979),
  - (iii) sub-section (1) of section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980),
  - (iv) sub-section (1) of section 49 of the Finance Act, 1981 (16 of 1981), and
  - (v) sub-section (1) of section 50 of the Finance Act, 1982 (14 of 1982),

on such zinc ingots, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such zinc ingots, on which the said duty of excise, auxiliary duty of excise and special duties of excise, were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 140/1/83-CX4]

#### अधिसूचना

म. 231/84-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 836(अ).—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि एक प्रथा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पादशुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अंतर्गत उमका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारणतः प्रचलित थी, उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची की तत्समय विद्यमान मध्य सं. 26क की उपमध (4) के अंतर्गत आने वाले ताबे के पाइपों और ट्यूबों के लिए शैलों और ब्लैंकों पर काँई उत्पाद शुल्क वहां उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था जहा ऐसे शैलों और ब्लैंकों का उपयोग, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व वि भाग) की अधिसूचना सं. 169/83-केन्द्रीय उत्पादशुल्क, तारीख, 21 जून, 1983 और अधिसूचना सं. 292/83-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख, 17 दिसम्बर, 1983 के अधीन, आतिथ्य प्रयोजनों के लिए छूट प्राप्त ताबे की पाइपों और ट्यूबों के विनिर्माण में उत्पादन के कारबाने में, 21 जून 1983 को आरम्भ होने वाली और 31 जुलाई, 1984 को समाप्त होने वाली तथा 17 दिसम्बर, 1983 को आरम्भ होने वाली और 31 जुलाई 1984 को प्रगत होने वाली अवधियों के द्वारान किया जा रहा था;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निवेश देती है कि उक्त पृथक के न होने पर ताबे की पाइपों और ट्यूबों के लिए ऐसे शैलों और ब्लैंकों पर उक्त अधिनियम के

अधीन संदेय संपूर्ण उत्पाद शुल्क और वित्त अधिनियम, 1983 (1983 का 11) की धारा 55 की उपधारा (1) और वित्त अधिनियम 1984 (1984 का 21) की धारा 52 की उपधारा (1) के अधीन संदेय और विशेष उत्पाद शुल्क तबे का पाइपों और ट्यूबों के लिए ऐसे शैलों और बैंकों को बाबत मंदाय किया जाता असेक्षण नहीं हांगा जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार, उपयुक्त अवधियों के दौरान उद्गमणीय नहीं किया गया था।

[फा. मं. 138/12/84-सी एकम 4]  
एच. वी. चौहान, अवर सचिव

## NOTIFICATION

No. 231|84-CENTRAL EXCISES

**G.S.R. 836(E).**—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof), under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on shells and blanks for pipes and tubes of copper, falling under the then existing sub-item (4) of Item No. 26A of the First Schedule to the said Act,

was not being levied where such shells and blanks were used in the factory of production in the manufacture of copper pipes and tubes, exempted for certain purposes under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 169|83-Central Excises, dated the 21st June, 1983 and No. 292|83-Central Excises, dated the 17th December, 1983, during the periods commencing on the 21st June, 1983 and ending with the 31st July, 1984 and on the 17th December, 1983 and ending with the 31st July, 1984, respectively;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act and the special duties of excise payable under sub-section (1) of section 55 of the Finance Act, 1983 (11 of 1983) and sub-section (1) of section 52 of the Finance Act, 1984 (21 of 1984), on such shells and blanks for pipes and tubes of copper, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such shells and blanks for pipes and tubes of copper on which the said duty of excise and the special duties of excise were not levied during the periods aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 138|12|84-CX.4]

H. V. CHAUHAN, Under Secy.

